ओडीओपी के लिए जल्द स्थापित किए जाएंगे 15 और सीएफसी

- हस्तशिल्पियों को मिलेंगी उत्पादों से संबंधित सुविधाएं
- अभी तक 13 सीएफसी किए जा चुके हैं स्थापित

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल्द ही 15 और सीएफसी (सामान्य सुविधा केंद्र) की स्थापना की जाएगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की तरफ से इनकी स्थापना के लिए काम शुरू कर दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि इन सभी सीएफसी की स्थापना इसी वर्ष कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018-19 में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का शुभारंभ किया था। योजना के क्रियान्वयन के लिए सरकार ने 250 करोड़ रुपये का बजट रखा था। साथ ही सभी जिलों में ओडीओपी उत्पादों के निर्माण के लिए सीएफसी की स्थापना के निर्देश भी दिए थे, जिससे हस्तशिल्पियों को एक ही स्थान पर उनके उत्पादों से संबंधित प्रशिक्षण व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इन केंद्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ उत्पादों की पैकिंग व संबंधित मशीनरी भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही एक वर्किंग स्पेस, डिजाइन स्टूडियो तथा कामन प्रोसेसिंग सेंटर की

सुविधा भी दी जा रही है। अभी तक सिद्धार्थनगर, सीतापुर, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, आगरा, मुरादाबाद, मैनपुरी, सहारनपुर, वाराणसी, संभल, गाजियाबाद व बिजनौर में 13 सीएफसी की स्थापना की जा चुकी है।

वहीं वर्ष 2025 में बरेली व उन्नाव में जरी-जरदोजी, अयोध्या व मुजफ्फरनगर में गुड़ उत्पाद, बिजनौर में काष्ठ शिल्प, लखनऊ में चिकनकारी व जरी-जरदोजी, भदोही व मीरजापुर में कालीन, मुरादाबाद में धातु शिल्प, गौतमबुद्ध नगर में रेडीमेड गारमेंट, खाद्य प्रसंस्करण (दाल एवं मक्का), चित्रकूट में काष्ठकला व महाराजगंज में फर्नीचर के लिए सीएफसी खोले जा रहे हैं। इनकी स्थापना के बाद संबंधित जिलों के हस्तशिल्पियों को ओडीओपी उत्पाद तैयार करने में और सुविधाएं मिल सकेंगी।